आतंकवाद: समस्या और समाधान

अन्य सम्बन्धित शीर्षक :-

- *आतंकवाद , आतंकवाद की समस्या, बढ़ता आतंकवाद और भारत की सुरक्षा , आतंकवाद:समस्या और समाधान, विश्व और आतंकवाद, आतंकवाद: एक चुनौती ,आतंकवाद: वैश्विक चुनौती , आतंकवाद और उसके दुष्परिणाम/*

रूपरेखा

- ★ प्रस्तावना
- ★ आतंकवाद से तात्पर्य
- ★ विश्व में व्याप्त हिंसा की प्रवृत्तियाँ और आतंकवाद
- ★ भारत में आतंकवादी गतिविधियाँ
- ★ आतंकवाद का समाधान
- ★ उपसंहार

प्रस्तावना – आतंकवाद एक ऐसी मानसिकता है जिसमें आतंक, भय, दहशत और अन्य माध्यमों से लक्ष्यों को पूरा करने के सफल या असफल प्रयास किए जाते हैं। आज आतंकवाद लगभग सभी महाद्वीपों में फैल चुका है। दक्षिण एशिया के देशों में इसका भय सर्वाधिक रूप से मौजूद दिखायी पड़ रहा है। हमारा भारत आतंकवाद से अधिक पीड़ित है। इस क्षेत्र में भारत व पाकिस्तान के सम्बन्ध कभी भी अच्छे नहीं रहे हैं। पाकिस्तान युद्ध में भारत से विजय नहीं प्राप्त कर सकता; अत : उसने छद्म रूप से आतंकवाद को हथियार बना लिया है।

Gyansindhu Classes

आतंकवाद से तात्पर्य - आतंकवाद एक ऐसी विचारधारा है , जो राजनैतिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शक्ति या अस्त्र - शस्त्र के प्रयोग में विश्वास रखती है। अस्त्र-शस्त्रों का ऐसा घृणित प्रयोग प्रायः विरोधी वर्ग, दल, समुदाय या सम्प्रदाय को भयभीत करने और उस पर विजय प्राप्त करने की दृष्टि से किया जाता है। अपने राजनैतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए आतंकवादी गैरकानूनी ढंग से अथवा हिंसा के माध्यम से सरकार को गिराने तथा शासनतन्त्र पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास भी करते हैं। इस प्रकार

"आतंकवाद उस प्रवृत्ति को कह सकते हैं, जिसमें कुछ लोग अपनी उचित अथवा अनुचित माँग मनवाने के लिए घोर हिंसात्मक और अमानवीय साधनों का प्रयोग करने लगते हैं।"

विश्व में व्याप्त हिंसा की प्रवृत्तियाँ और आतंकवाद – वर्तमान में लगभग पूरा विश्व आतंकवाद जैसी महामारी की चपेट में हैं। राजनैतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए सार्वजनिक हिंसात्मक रास्ता अपनाया जा रहा है। संसार के भौतिक दृष्टि से सम्पन्न देशों में आतंकवाद की यह प्रवृत्ति और भी ज्यादा पनप रही है। अमेरिका के हवाई जहाज में बम विस्फोट, भारत के हवाई जहाज का पाकिस्तान में अपहरण, कुछ बडे राजनेताओं की हत्याएँ आदि ऐसी कई घटनाएँ अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के कुछ उल्लेखनीय उदाहरण हैं ।

भारत में आतंकवादी गतिविधियाँ- पिछली दो दशाब्दियों में भारत के पंजाब, बिहार, असम, बंगाल, जम्मू-कश्मीर आदि कई प्रान्तों में आतंकवादियों ने व्यापक स्तर पर आतंकवाद फैलाया। कश्मीर की समस्या का समाधान न हो पाना भी भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने का कारण रहा है। पाकिस्तान कश्मीर की बहुसंख्यक मुस्लिम आबादी को उकसाकर उस क्षेत्र में अलगाववाद को बढ़ावा दे रहा है। यह सिलसिला वर्ष 1990 से चल रहा है। भारत के अन्य हिस्सों में भी आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। मुम्बई में 26 नवम्बर, 2008 को बड़ा आतंकी हमला भारत को झेलना पड़ा ।

इससे पूर्व भी भारतीय संसद पर जैश के आतंकियों ने हमला किया था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के भवन पर भी जैश - ए - मोहम्मद ने ब्लास्ट किया था। जनवरी 2016 ई० मे पठानकोट स्थित एयरबेस पर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हमला किया । यद्यपि सभी आतंकवादियों को मारकर इस हमले को विफल कर दिया गया, किन्तु भारत को भी अपने जाँबाज सैनिकों को गंवाना पड़ा। जुलाई 2017 में अमरनाथ यात्रा के समय तीर्थयात्रियों से भरी बस पर आतंकी हमला कर दिया गया। इस हमले में तीर्थयात्री मारे गए। वर्ष 2018 में पाकिस्तान ने कश्मीर क्षेत्र के अनेक सैन्य स्थलों पर आतंकी हमले

Gyansindhu Classes

करवाए। फरवरी 2018 में सुजवा में सैन्य क्षेत्र पर आतंकी हमला किया गया, जिसमें भारत के कुछ सैनिक शहीद हो गए।

आतंकवाद का समाधान -आतंकवाद ने हमारे जीवन को अनिश्चित और असुरक्षित बना दिया है। आतंकवाद मानव - जाति के लिए कलंक है, इसलिए इसका कठोरता से दमन किया जाना चाहिए । भारत सरकार ने आतंकवादी गतिविधियों को बड़ी गम्भीरता से लिया है और इनकी समाप्ति के लिए अनेक महत्त्वपूर्ण कदम उठाए है। भारत की संसद ने 'आतंकवाद-विरोधी विधेयक पारित कर दिया है, जिसके अन्तर्गत आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहनेवाले व्यक्तियों को कठोर - से - कठोर दण्ड देने की व्यवस्था की गई है । आतंकवाद को रोकने के कुछ उपाय निम्न बिंदुओं के आधार पर देख सक्ते हैं।

1) उचित नैतिक शिक्षा - युवाओं व बालकों को उचित नैतिक शिक्षा देने की आवश्यकता हैं जिससे वह पथ-भ्रष्ट न हों।
2) बाहरी शक्तियों का कठोरता से दमन- भारत में आतंकवाद फैलाने वाली जो बाहरी शक्तियाँ हैं उनका कठोरता से दमन किया जाना चाहिए।
3) जनता में जागरूकता की भावना पैदा करना-आतंकवाद को दूर करने के लिए जनता में जागरूकता की भावना का होना अति आवश्यक हैं। वह भीरू न बनकर, आतंकवाद के खिलाफ उठ खड़ी हो।
4) सीमाओं पर कठोर नियन्त्रण-सीमाओं पर नियंत्रण को कठोर कर दिया जाना चाहिए, जिससे कोई आतंकवादी सीमा के अंदर प्रवेश न कर सके।
5) राजनैतिक एकता - इस समय आवश्यकता इस बात की हैं कि सभक राजनैतिक नेता पक्ष और विपक्ष के द्वन्द्व से उभकर एक ऐसी सफल राष्ट्रीय योजना बनायें जिससे आतंकवाद का अन्त हो सके।

Gyansindhu Classes

उपसंहार -आतंकवाद मानवीय सभ्यता पर कलंक है। आतंकवाद से किसी भी समस्या का समाधान सम्भव नहीं है। अब समय आ गया है कि मानवीय सभ्यता के इस कलंक को पूरे संसार से स्वार्थी रूप से मिटा देना चाहिए।